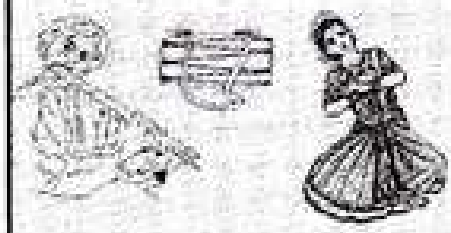

संस्कृति समाचार

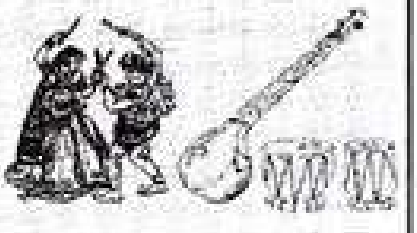

वीरेन्द्र नारायण जन्मशतवार्षिकी संगोष्ठी

नयी दिल्ली, साहित्य अकादमी द्वारा हिंदी के प्रतिष्ठित नाट्यकार वीरेन्द्र नारायण की जन्मशतवार्षिकी के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व निदेशक देवेंद्र राज अंकुर ने की. मुख्य अतिथि ज्योतिष जोशी एवं विशिष्ट अतिथि राजेश सिंह थे. स्वागत वक्तव्य साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव द्वारा दिया गया. परिचयात्मक वक्तव्य विजय नारायण ने प्रस्तुत किया. वीरेन्द्र नारायण ने दूरदराज़ इलाकों में रहते हुए 20 से ज़्यादा नाटक लिखे और नाट्य आलोचना तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण कार्य किया. उनकी पुस्तक 'रंगकर्म' बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि उस समय तक रंगकर्म के लिए बैकस्टेज की इतनी समग्र जानकारी देने के लिए कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं थी. रवींद्र त्रिपाठी और प्रकाश झा एवं बीना नारायण ने अपने विचार व्यक्ति किये. संचालन साहित्य अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया.